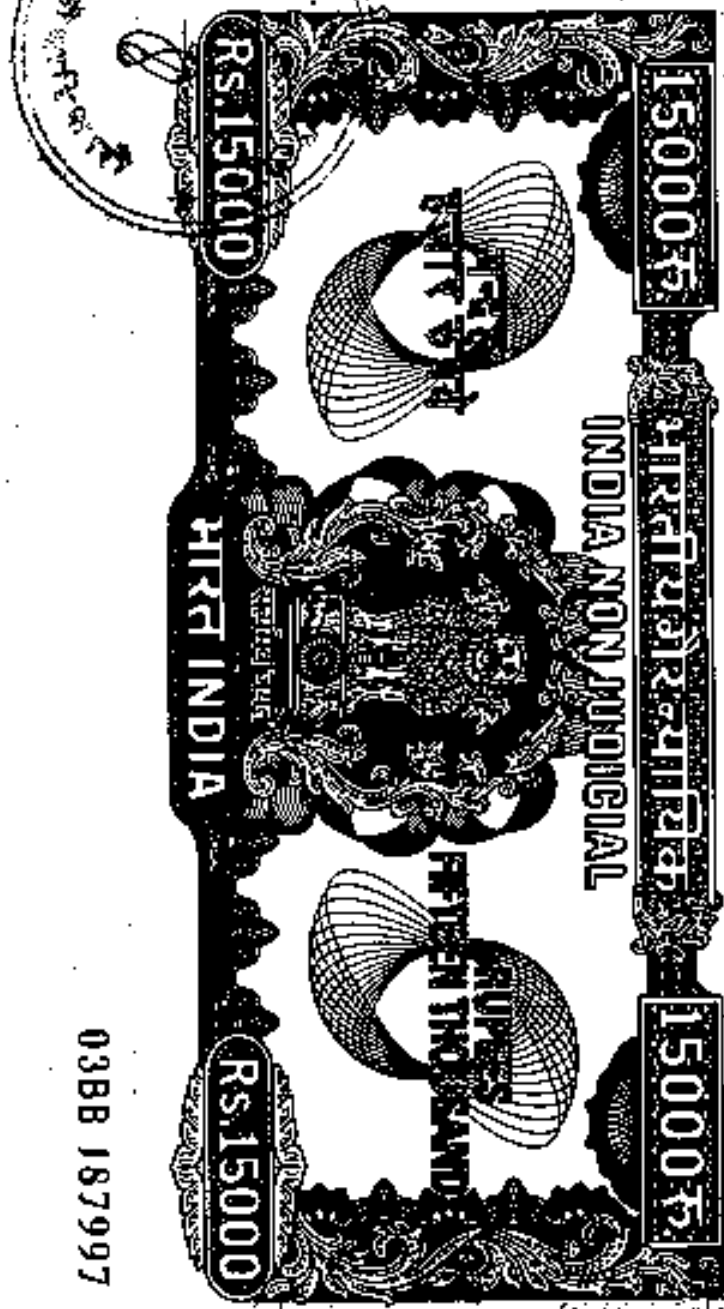




03BB 187997

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 17,84,500 / रुपये ।
रुपय पेपर अंकन : 1,78,500 / रुपये ।

मैं/हम कि भौजा पुत्र श्री निर्मल निवासी ग्राम दुर्गाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर, (फरीक अव्वल/विकेता/विकेतागण) ।

एवम

श्री ब्रिजेश कुमार पुत्र श्री तारा निवासी ग्राम दुर्गाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर (फरीक दोयम/केता) ।

दि ०३.०८.०८

मोहर

Tejendra Singh
Ch. No-297, Civil Court
GHANZIABAD

Tejendra Singh
Ch. No-297
GHANZIABAD

कार्यालय उप कोषागार

दादरी

28 JUL 2006

पंजीय नं. 10/1/2006
पंजीय नं. 10/1/2006
पंजीय नं. 10/1/2006
पंजीय नं. 10/1/2006

Bihar State Police

And State Police

178145007=

50007=

पंजीय

पंजीय

पंजीय नं. 10/1/2006

600

पंजीय नं. 10/1/2006

पंजीय नं. 10/1/2006

पंजीय नं. 10/1/2006

पंजीय नं. 10/1/2006

पंजीय

पंजीय

28/7/06

पंजीय

पंजीय नं. 10/1/2006

पंजीय नं. 10/1/2006

पंजीय नं. 10/1/2006

पंजीय नं. 10/1/2006

पंजीय नं. 10/1/2006

पंजीय नं. 10/1/2006





(2)

विक्रीत भूमि का विवरण

स्थित ग्राम दुरयाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर (उ०प्र०), कृषि भूमि खाता नं० 178 के खसरा नं० 18 रकबई 0.6830 हेक्टेयर में से रकबई 0.4300 हेक्टेयर ।

1. विक्रीत भूमि कृषि भूमि है तो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लिंक मार्ग पर स्थित नहीं है भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है तथा संक्रमणीय भूमिधरी की भूमि है जिसका सरकारी सर्किल रेट 11,00,000/-रुपया प्रति हेक्टेयर लेकिन इस विक्रय पत्र में सर्किल रेट से अधिक रुपया 41,50,000/-रुपया प्रति हेक्टेयर की दर से अंकन 17,84,500/- रुपये (सत्रह लाख चौरासी हजार पाँच सौ रूपए मात्र) मूल्य पर सरकारी स्टाम्प अदा किया गया है

दिनांक १५/१२

मोहरा



—

जिल्ह्याची पहचाल ही पथी
पुढे श्री निदेशागिरी देवा येथे
लिखाण ५२१६ नं. ४७८
म. अ. ५२
बुध म. पु. ६०१५ यथा परी
दिनांक ३४५

● 2008年12月10日

28/7/06

msil

19/06/2024

U=28

215



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

28/7/06



03BB 187999

(3)

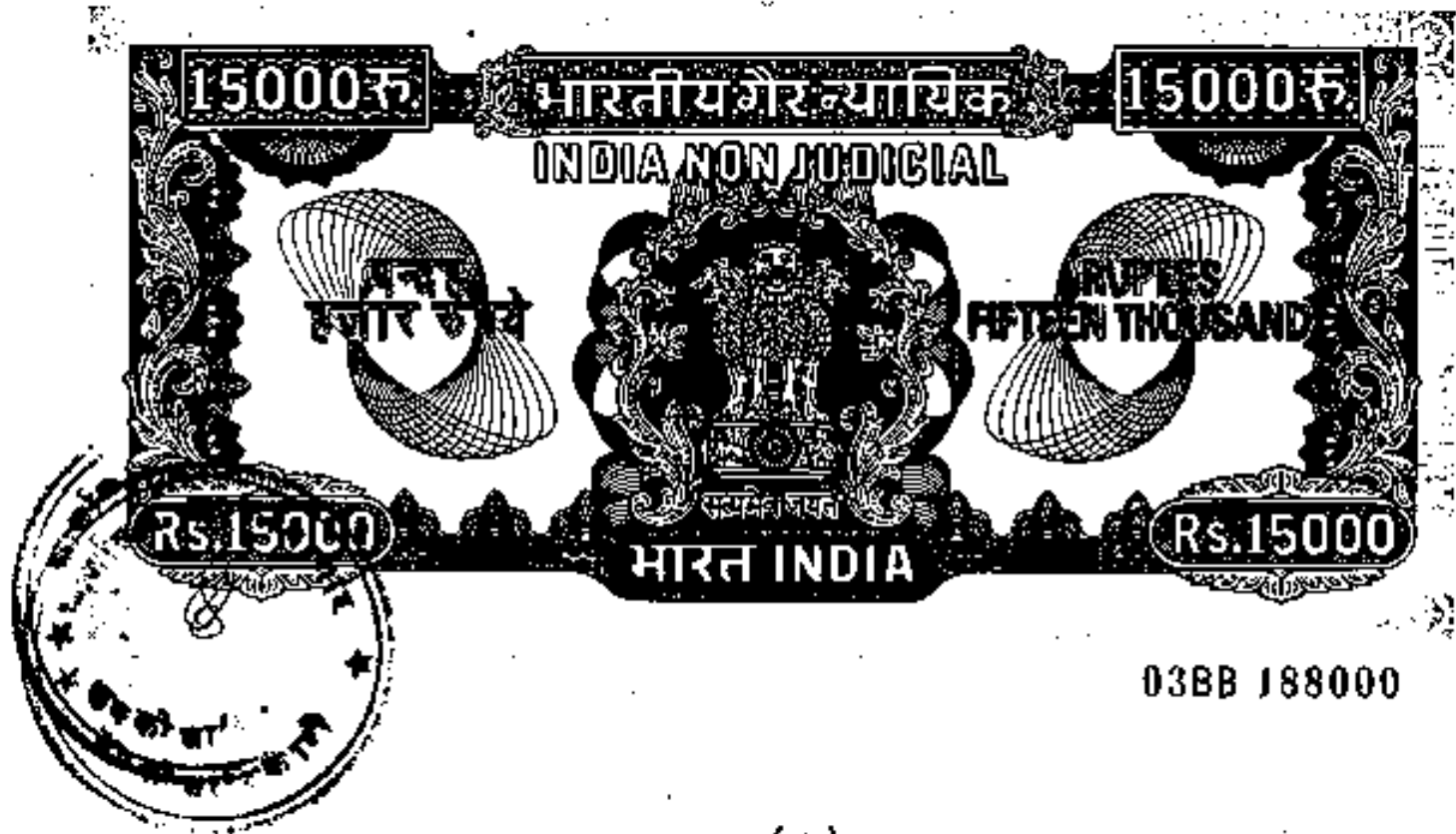
2. विक्रेता अनुसूचित जाति का है। विक्रेता ने इस आशय का श्रीमान तहसीलदार महोदय से यह प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है कि वह अनुसूचित जाति से/का है।
3. यह कि विक्रीत भूमि ग्राम समाज पट्टे की भूमि थी जिसका विक्रेता (फरीक अब्दुल) संकमणीय भूमिधर हो चुका है। इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद नहीं है।

दिनांक १५/११/२०२०

महोदय

काशीनाथ उ० कोषागार
 काशी
 काशीनाथ उ० कोषागार
 काशी
 काशीनाथ उ० कोषागार
 काशी





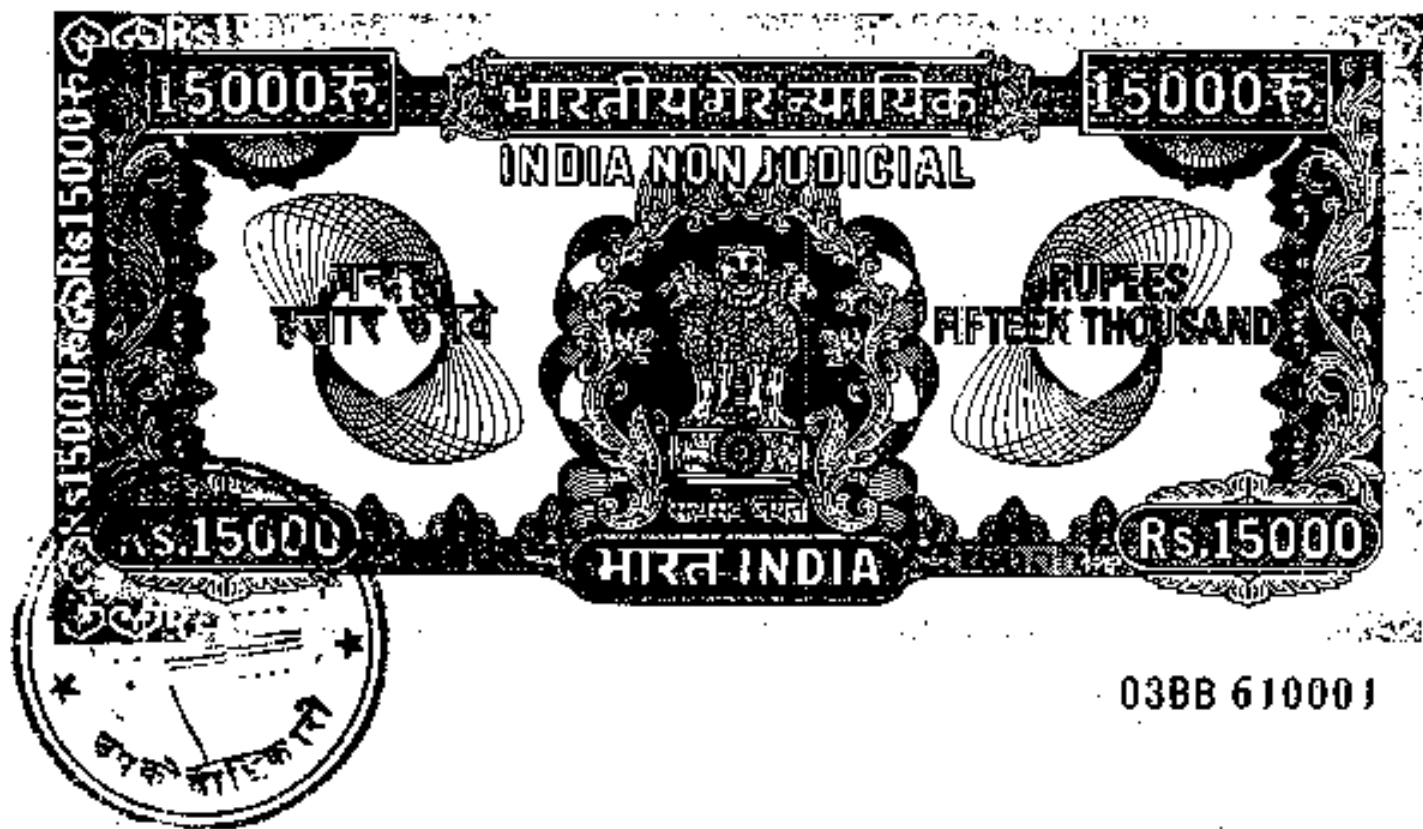
(4)

4. विकीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय में स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(1) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है।

कि. नं. १५४

म/३१





(5)

5. यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि का पूर्व में मौखिक इकरारनामा भी दोनों पक्षों के बीच हुआ था तथा विक्रय पत्र लिखे जाने की मौखिक सहमति हुयी थी जिसके अनुपालन में वर्तमान विक्रय पत्र का निष्पादन किया जा रहा है। तत्समय विक्रेता/विक्रेतागण/फरीक अव्वल ने क्रेता से पेशगी में बजरिये सिंडीकेट बैंक, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, का चेक नम्बर 222714 दिनांकित 17.10.2005 अंकन 1,53,000/- रुपये (एक लाख हजार रुपए मात्र) तथा नगद 30,600/- रुपये (तीस हजार छः सौ रुपए मात्र) दिनांक 17.10.2005 प्राप्त कर लिये थे।

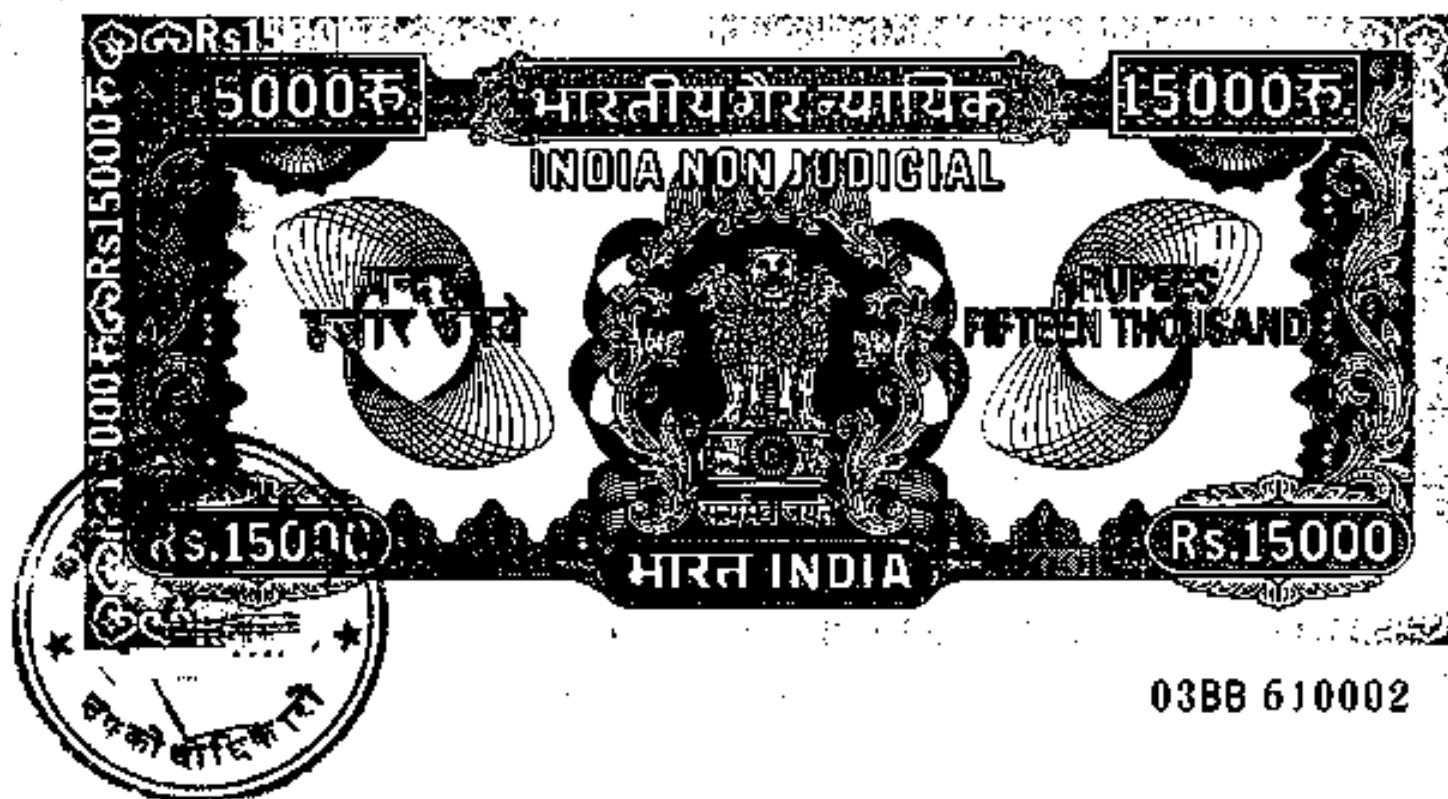
दिनांक 18/10/2005

मोहर



कार्यालय उप क्षेत्राधिकार
 - - - - - कार्यालय - - - - -
 22.11.2020
 - - - - - संख्या - - - - -
 - - - - - संख्या - - - - -
 उप. रोहतास





(8)

6. विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ / हम फरीक अव्वल (विक्रेता/विक्रेतागण) की ओर से हर प्रकार के बंधक भार व सरकारी देनदारी, इकरारनामा, विवय, वसीयत

विशेष नोट

मोड्रा

The figure is a map of the northern Adriatic coastline, spanning from Trieste in the north to the Gulf of Genoa in the south. Sampling stations are indicated by numbered dots (1-10) along the coast. Station 1 is near Trieste, and station 10 is near the Gulf of Genoa. A scale bar at the bottom left shows a distance of 100 km. An inset map in the bottom right corner shows the entire Mediterranean Sea, with a box highlighting the study area in the northern Adriatic.





(7)

आदि दोनों से मुक्त है कही अन्य जगह आर, रहन बय, हिबै महायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्ध सरकारी व निजि रूप से दस्त नहीं है और न ही इस बाबत कोई मामला किसी न्यायालय/कार्यालयों में विचाराधीन है ।

दिनांक २५/११/१८

मो.जा.

कार्यालय उप कोषागार
बादरी

28 JUL 2016

स्थापन नं० 115/2015/मं०
 स्थापन नं० 115/2015/मं० बाधित किया गया
 उप. रेकॉर्डिंग





03BB 610004

(8)

7. मुझ/हम विक्रेता/विक्रेतागण को विक्रय पत्र में वर्णित उक्त खाला नं० 178 के खसरा नं० 18 रकबई 0.6830 हैक्टेयर में से रकबई 0.4300 हैक्टेयर, स्थित ग्राम दुरवाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर के अपने हिस्से के पूर्ण भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णतः प्राप्त है मुझे विक्रेता को वास्ते तरक्की कास्त एवं अन्य निजी आवश्यकताओं हेतु रुपयों की आवश्यकता है तथा मुझे अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत केता से मिल रही है जो स्वयं भी अनुसूचित जाति से है । अतः मुझे

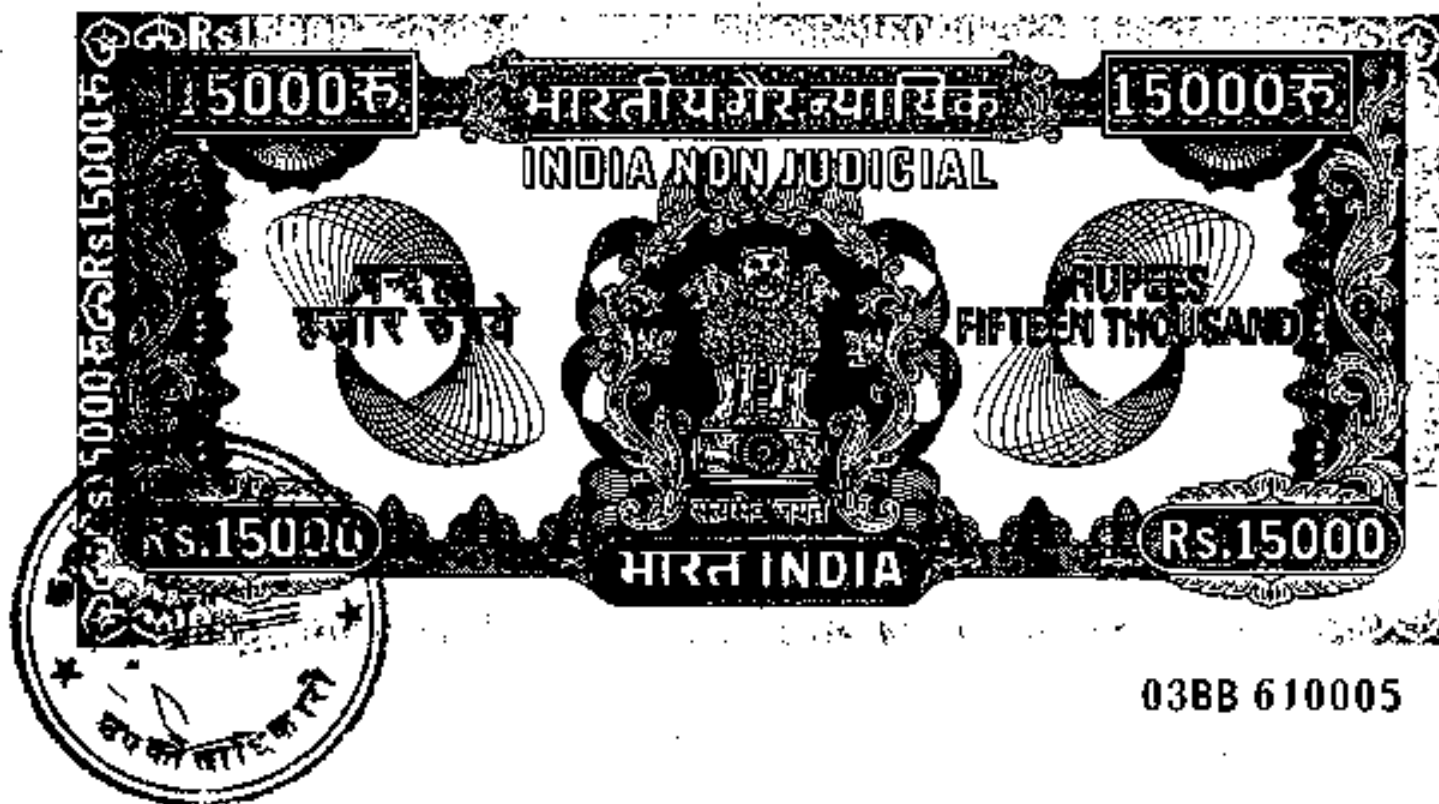
किछे 25/8/12

गोत्रा



कार्यालय उप कोषागार
 बायरो
 28 MAR 2000
 स्थापन नं० 1/8-80-15-निमि
 स्थापन नं० 1/8-80-15-निमि
 उप. रोडकिया





(9)

विक्रेता ने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के बरजामंदी, शुद्ध बुद्धि व स्वस्थ इन्द्रियों की दशा में समस्त मालिकाना, काबिजाना, अधिकार जो कुछ भी मुझ विक्रेता को विक्रीत भूमि से प्राप्त थे आदि आदि को आज की तारीख में विक्रय धनराशि अंकन रूपया अंकन 17,84,500 रुपये (सत्रह लाख चौससी हजार पोंच सौ रुपए मात्र) जिसके आधे अंकन 8,92,250/- (आठ लाख बबानवें हजार दो सौ पचास रुपए मात्र) होते है, एवज में हाथ फरीक दियम केता उपरोक्त श्री ब्रिजेश कुमार पुत्र श्री तारा निवासी ग्राम दुरवाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर

कि.ज.र.प. ४१८

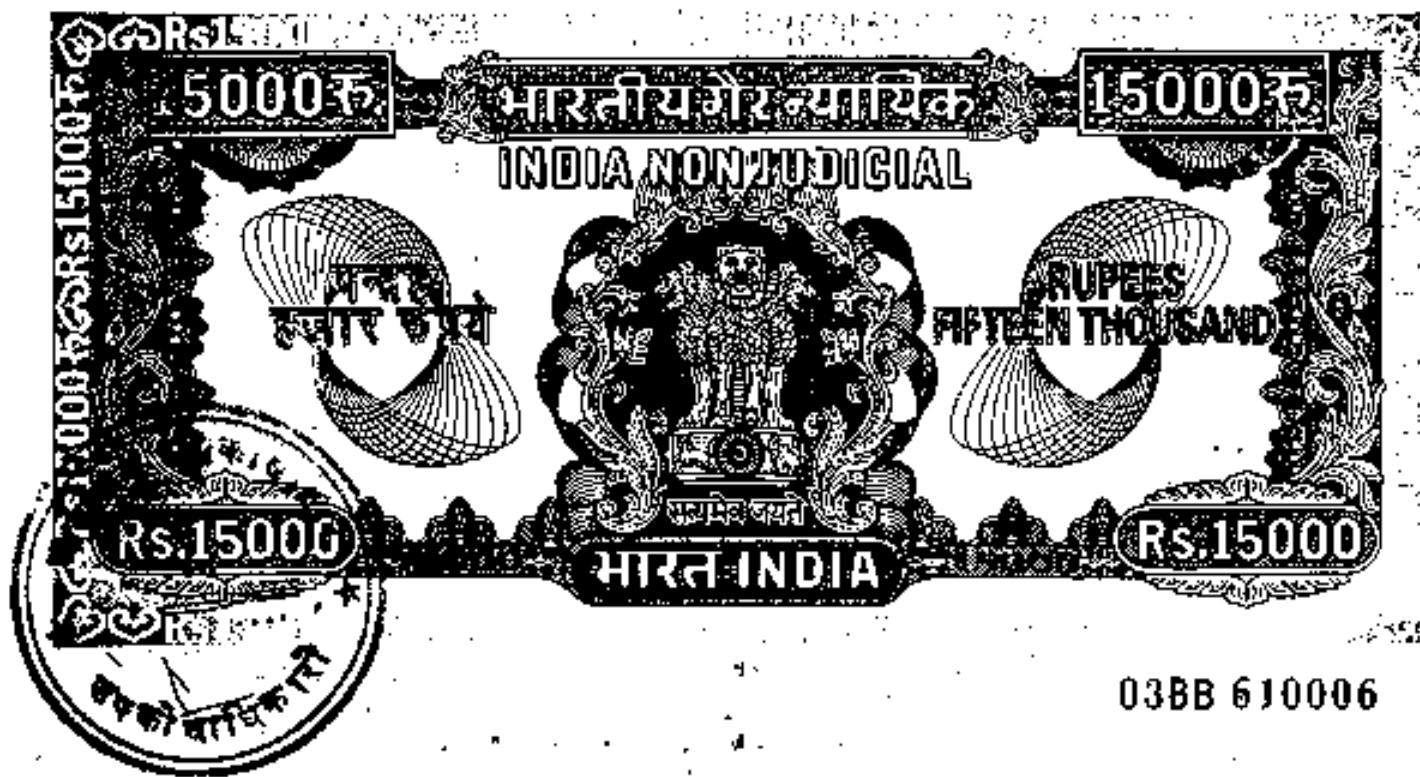
माडा

4:42

;

पत्रांक सं० ११३, १५५३
 पत्रांक सं० ११३, १५५३
 उ. र. र. र. र. र.





03BB 610006

(10)

को बय कर दिया है और भूमि की कुल विक्रय धनराशि में से अवशेष रकम अंकन 16,00,900/- (सौलह लाख नौ सौ रुपये मात्र) बजरिये चैक नम्बर 011311 दिनांकित 28.07.2006 का पेंजाब नैशनल बैंक दयानन्द नगर गाजियाबाद के मुझ विक्रेता ने क्रेता से प्राप्त कर ली है और कोई धनराशि बाकी नहीं रहती है ।

दिनांक 28/07/06

सोडा

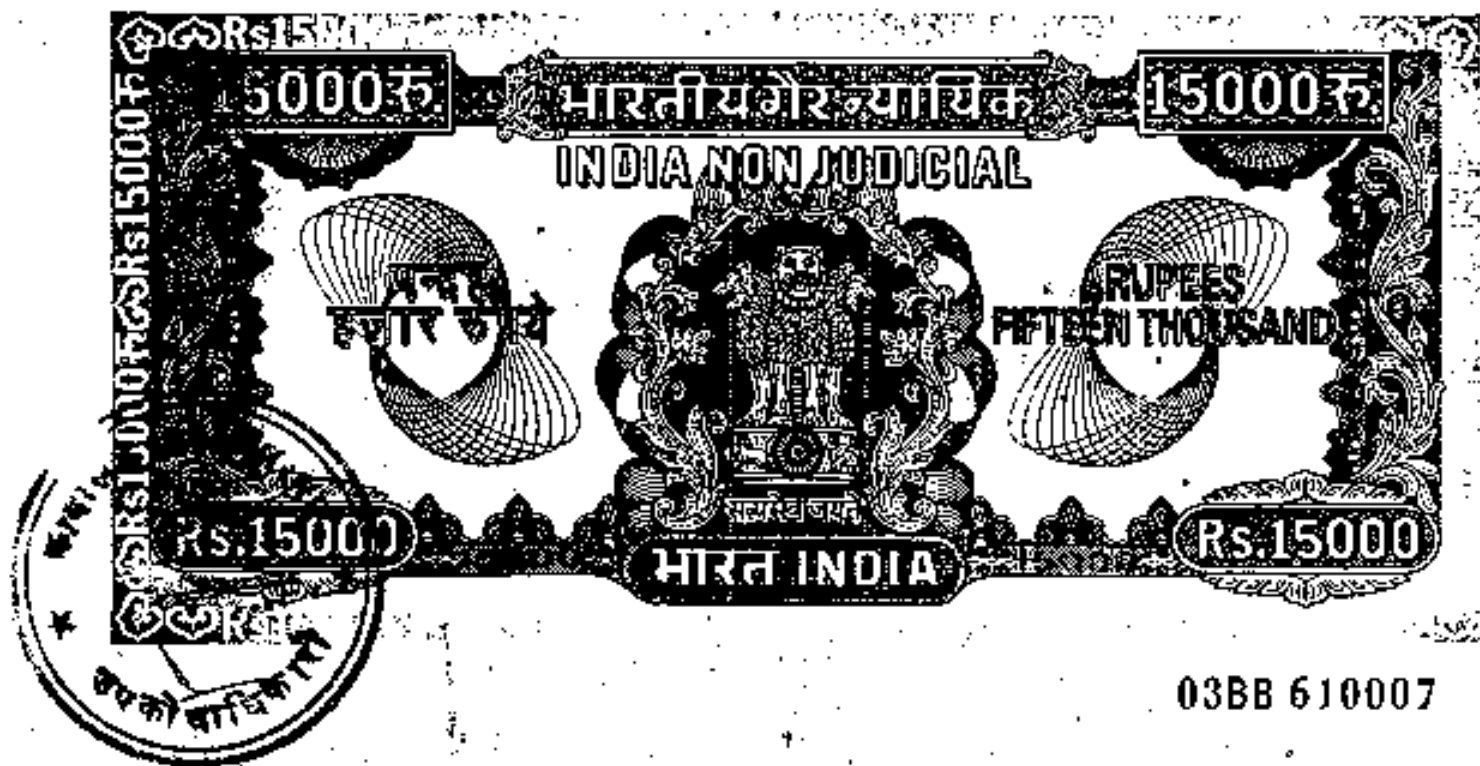
कार्यालय उप कोषागार
बादरी

28 JUL 2006

क्रमांक नं० 71/8/2006/15/नाम
स्वास्थ्य नं० 15/2006/15/नाम

उप, रीकडिया





(11)

8. विकीत भूमि का कब्जा मौके पर केता का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया जिसके केता पूर्णतः मालिक काबिज दाखिल बन गये है। उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि से सम्बन्ध सुखाधिकारों सहित जिस प्रकार चाहे बहैसियत मालकाना प्रयोग में लाये ।

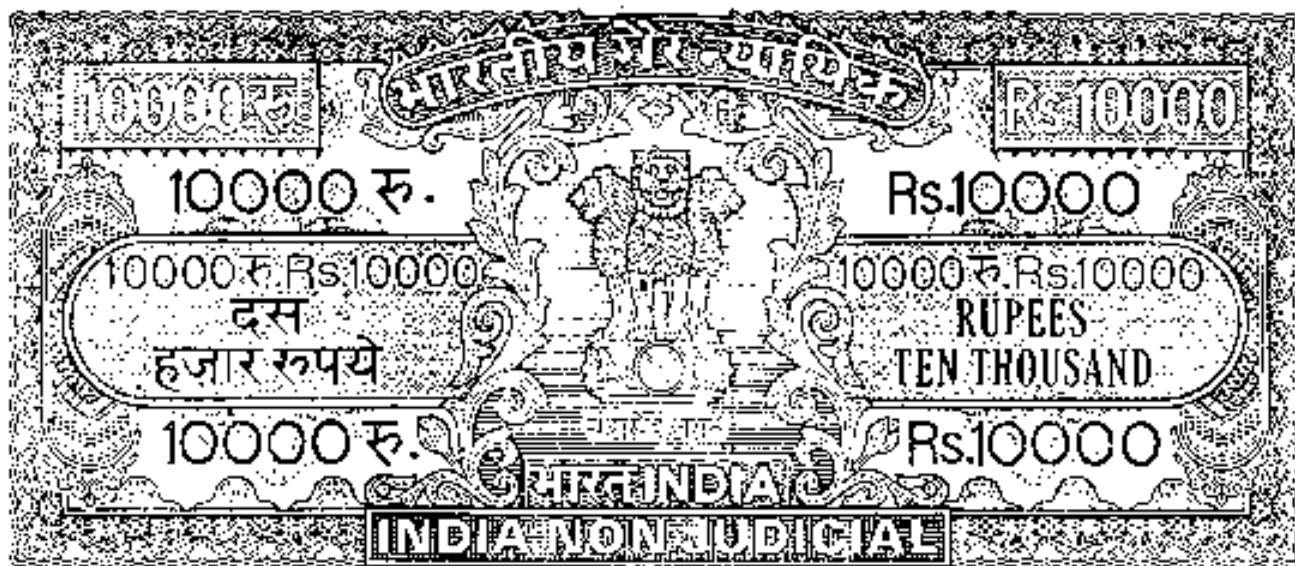
कि. ज. म. ल.

म. ज. म. ल.



कार्यालय एवं कार्यस्थान
 बादरी
 26 JUL 1988
 प्रमाणित नं. 118 अ. 18 ताम
 प्रमाणित नं. 118 अ. 18 ताम
 प्रमाणित नं. 118 अ. 18 ताम
 प्रमाणित नं. 118 अ. 18 ताम





01AA 611301

(12)

9. विक्रेता, विक्रीत भूमि के बाबत समस्त कागजात में आवश्यक औपचारिकताएँ पूर्ण कराकर बजरिये बैनामा दाखिल खारिज मालकागजात में कराकर क्रेता का नाम दर्ज करवायेगा या वह स्वयं दर्ज करवा सकते हैं तथा आवश्यक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे

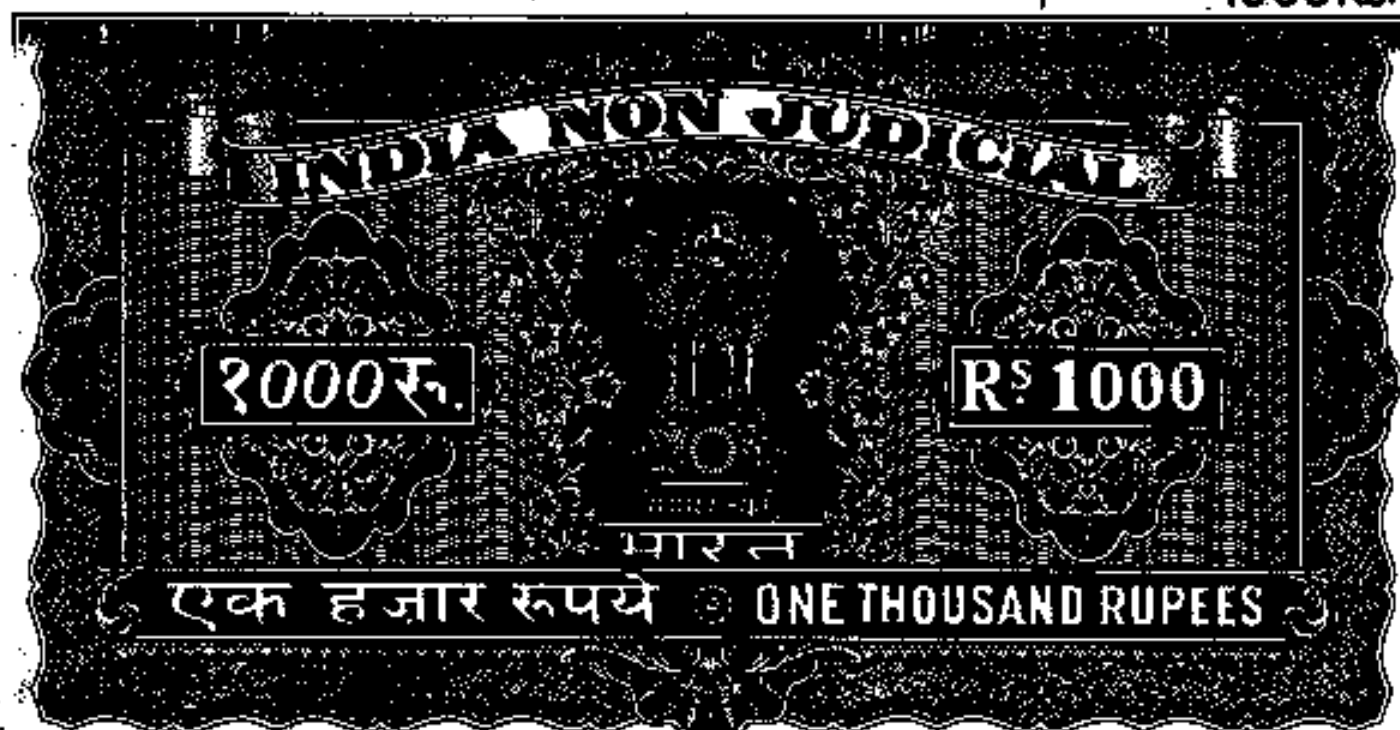
किशन सिंह

मोजा



१. नाम
 २. पता
 ३.
 ४.
 ५.
 ६.
 ७.
 ८.
 ९.
 १०.
 ११.
 १२.
 १३.
 १४.
 १५.
 १६.
 १७.
 १८.
 १९.
 २०.
 २१.
 २२.
 २३.
 २४.
 २५.
 २६.
 २७.
 २८.
 २९.
 ३०.
 ३१.
 ३२.
 ३३.
 ३४.
 ३५.
 ३६.
 ३७.
 ३८.
 ३९.
 ४०.
 ४१.
 ४२.
 ४३.
 ४४.
 ४५.
 ४६.
 ४७.
 ४८.
 ४९.
 ५०.
 ५१.
 ५२.
 ५३.
 ५४.
 ५५.
 ५६.
 ५७.
 ५८.
 ५९.
 ६०.
 ६१.
 ६२.
 ६३.
 ६४.
 ६५.
 ६६.
 ६७.
 ६८.
 ६९.
 ७०.
 ७१.
 ७२.
 ७३.
 ७४.
 ७५.
 ७६.
 ७७.
 ७८.
 ७९.
 ८०.
 ८१.
 ८२.
 ८३.
 ८४.
 ८५.
 ८६.
 ८७.
 ८८.
 ८९.
 ९०.
 ९१.
 ९२.
 ९३.
 ९४.
 ९५.
 ९६.
 ९७.
 ९८.
 ९९.
 १००.





062872

(13)

हस्ताक्षर मुझ फरीक अव्वल से करा सकते हैं, मुझ फरीक अव्वल को कोई एतराज नहीं होगा और न ही है। अब विक्रय पश्चात् विक्रीत भूमि की मिलकियत भूमि में निहित हित, व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वारिसान विक्रेता का कोई सम्बन्ध बाकी नहीं रहा है और न कभी रहेगा।

मेडा

कि. २, ४, ५, ६

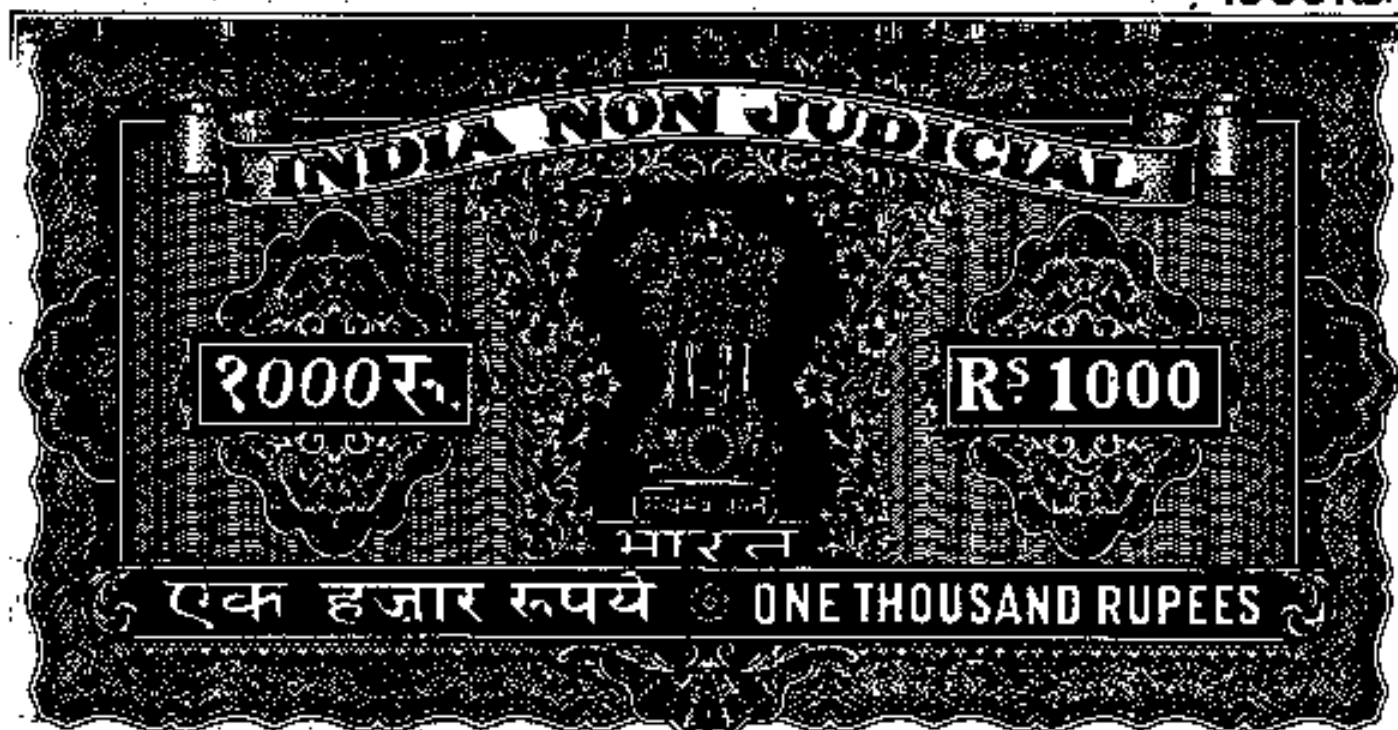
कार्यालय उप कोषागार

बादरी

28 JUL 2006

प्रमाण सं. (2) अ. (1) म. (1)
स्थाप सं. (1) के अधिनियम किया गया
उप. रोहतास





062873

(14)

10 विकीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल / विक्रेता की ओर कोई भार निकला और निकला हुआ भार कंता या स्थापनापन को अपने पास से अदा करना पड़ा अथवा उसका कोई अंश कंता या उसके वारिसान या स्थापनापन के कब्जे से निकल जाये, तो हर ऐसी दशा के उत्पन्न होने पर फरीक अव्वल/विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे तथा पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की धनराशि को मय हरजे खर्चे प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता वारिसान की चल व अवल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे वसूल करा सकते हैं जिस पर फरीक अव्वल/विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी।

मोहरा

विक्रेता का भार



062874

(15)

11. यह कि फरीक अव्वल ने विक्रित भूमि के स्वामित्व से सम्बन्धित सभी मूल दस्तावेज (वसीयत, मूल पट्टा व न्यायालय के अपेक्षित आदेशों की प्रमाणित प्रति आदि) तथा प्रमाणित खसरा, खतौनी, जाति, प्रमाण पत्र, तथा बारह साला जो विक्रेता के पास उपलब्ध हैं, उन्हें क्रेता को सौंप देगा।

12. विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने वहन किया है।

दिजेर धुर्गा

मोत्रा

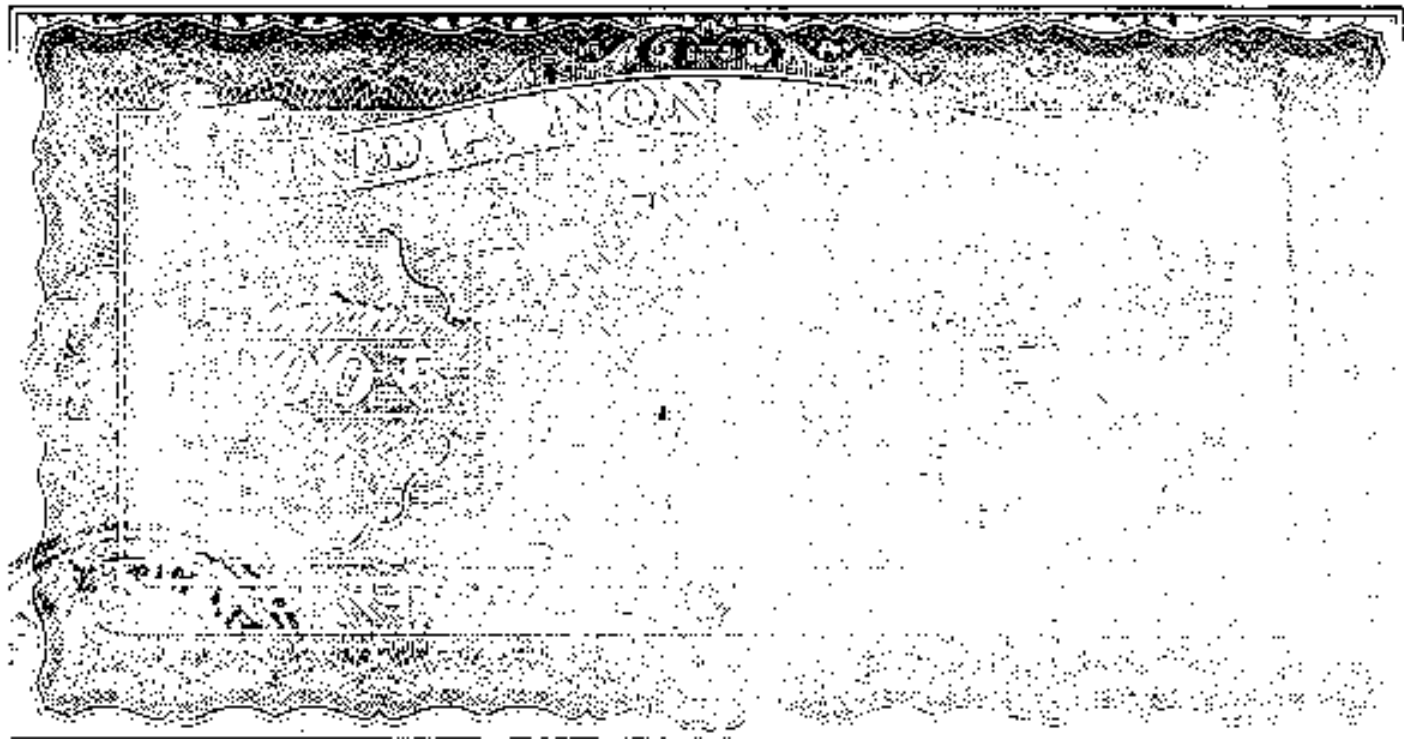
विक्रेता को सौंप देगा

कार्यालय उप कोषागार
दावरी

28 JUL 2006

स्टांप नं० 123 रु० 1.00 नाम
स्टांप नं० 123 बे शामिल किया गया
उप. रोकड़िया





(16)

13. अतः यह विक्रय पत्र खूब सोच समझकर, सुनकर पढ़कर गवाहों की उपस्थिति में लिख दिया गया है कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवें।

बिनीत कुमार

(हस्ताक्षर) (गूठा)
(फरीक अक्षर) (कता)

(हस्ताक्षर) (गूठा)
(फरीक अक्षर) (कता)

गवाह नं० 1

गवाह नं० 2

श्री पुत्र श्री बिनीत कुमार
निवासी ग्राम दादर परगना दादर
तहसील दादर
जिला दादर

श्री पुत्र श्री बिनीत कुमार
निवासी ग्राम दादर परगना दादर
तहसील दादर
जिला दादर

तहसीर दिनांक 28.07.2006 मसौदाकर्ता तेजेन्द्र सिंह एडवोकेट गाजियाबाद ।

Advocate
C. No. 257, Court
GHAZIABAD, (U.P.)

कार्यालय उप कोषागार
बावरी

२८/७/०६

आवक नं. १२५ को. १४४ नाम
आवक नं. १२५ को. १४४ नाम

कार्य दिनांक 28/7/06 का कोटेशन
प्रति पुरातन संख्या I. खण्ड संख्या 16/
के अन्तर्गत 297 पर कमालखर्च 1095/
पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

४७ निरन्तरक
बावरी



उद्धरण खतौनी

ग्राम क्रमांक : 71020115087

ग्राम का नाम : इरयाई

परगना : दादरी

तहसील : दादरी

जनपद : गौतमबुद्धनगर

फसली वर्ष : 1411-1416

भाग : 1

खाना खतौनी का संख्या	खानेदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	भौतिक अधिकार प्राप्त होने का फसली वर्ष	खाने के प्रत्येक गाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (हे.)	खानेदार द्वारा देय मासगुजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आता की उसका संवादा इन्की संख्या तथा दिनांक सहित और आता देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9-12	13
श्रेणी : 1-क	भूमि जो संक्रमणीय भूमिधरो के अधिकार में हो।								
00178	भोला ✓	निर्मल	नि. ग्राम	पू1395क	18	6830		अनुशानुसार श्रीमान एन.टी.महोदय मि.न.289/28-1-05 को कादेश हुआ कि खा.स.178 के ख.न.18/0.683हे. लगानी 20.90/- में से 0.253हे. (मेडमिलान) से विक्रेता मोना पुत्र निर्मल नि.ग्राम के स्थान पर क्रेता श्रीमती रुद्राणी पत्नी श्री कवर सेन नि. ग्राम का नाम बतौर बेनामा 228000/- रु. है। ह.अ.28-1-04	
कुल गाटे : 1					कुल क्षे : 1.6830	20.90			

OR
15-6-06

हस्ताक्षर
15-6-06

सेवा है.

शाखा प्रबन्धक

UP Saharkani Vikas Bank LTD

PRABHU

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) के सम्बन्ध में ।

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता सं 178 खसरा नं० 18 रकबा 0.6830 स्थित ग्राम दुरियाई परगना दादरी तहसील दादरी जिला जालंधर में मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि, भू० उत्पत्त वट्टा हाई टेक डेवलपर्स प्रा० लि० को बेचना है । इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है ।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद

प्रार्थी

जोता 310 निजाल

जिला दादरी दुरियाई



[illegible]

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

PNB

ठहरीला

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) के सादर भेजना ।

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता सं 178 खसरा नं० 18 रकबा 0.6830 स्थित ग्राम ठहरीला परगना दादरी तहसील दादरी जिला जौनपुर में मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि, भू० उपलब्ध बड़ा झाई टेक डेवलपर्स प्रा० लि० को बेचना है । इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है ।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद

प्रार्थी

ओ० जी० डी० निमोल

निवासी ठहरीला



जाति प्रमाण पत्र

1838

(उपरो अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन-जाति के लिए)

प्रमाण पत्र संख्या
001710201150871598

प्रमाणित किया जाता है कि श्री मोजा दुरगई तहसील दादरी

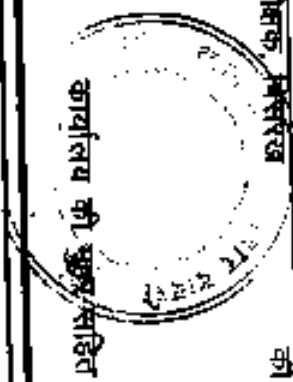
पुत्र श्री निर्मल निवासी गांव/नगर उपरो राज्य की जाटव
जिला गोतामबुद्धनगर उपरो राज्य की जाटव
जाति के व्यक्ति है। जिसे सविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 ई० जैसा कि समय-समय पर संशोधित हुआ।
संविधान (अनुसूचित जन-जाति उत्तर प्रदेश) आदेश 1967 के अनुसार अनुसूचित जाति / अनुसूचित जन-जाति के
रूप में मान्यता दी गई है।

श्री मोजा दुरगई तथा उनका परिवार उत्तर प्रदेश के गांव/नगर तहसील दादरी जिला गोतामबुद्धनगर

में सामान्यतया रहता है।

यह प्रमाण-पत्र राजस्व निरीक्षक, मंसूरख की तसदीक पर जारी किया गया है।

स्थान दादरी
दिनांक 07-04-2006



तहसीलदार
दादरी

उद्धरण खतौनी

ग्राम क्रमांक : 71020115087

ग्राम का नाम : दुरवाई

परगना : दादरी

तहसील : दादरी

जनपद : गौतमबुद्धनगर

फसली वर्ष : 1411-1416

भाग : I

खता खतौनी का संख्या	खातेदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	भौमिक अधिकार प्रारम्भ होने का फसली वर्ष	खाते के प्रत्येक गाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (हे .)	खातेदार व्यक्ति देव पालगुजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आज्ञा या उसका संराज्य वनको संख्या तथा दिनांक सहित और आज देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
श्रेणी :	1-क	भूमि जो मजदुरगोप भूमिधर्मे के अधिकार में हो।							
00178	भोज	निर्मल	नि. प्रा. ०	५1395८	18	0.6830	आदेशानुसार आगत एन.रो नं.२६३७ दि.२८/२८-१-०५ के आदेश हुआ कि ख.स. 178 के ख. न. 18=0.683३ हे. लगान 20.90/- में से 0.25 हे. (मि.क्षेत्रफल) से अधिकता भोजा पत्र निर्मल नि.प्रा.० के स्थान पर देना श्रीमती हरदारी पत्नी श्री कवर संग नि. ग्राम का नाम बल्लभ बंनार 228000/- देने हे. र अ.28-१-०4 आदेशानुसार आगत एन.रो नं.१४०/२-९-०६ के आदेश हुआ कि ख.स. 178 के ख.न. 18=0.6830 हे. में से 0.4१०० हे. से अधिकता भोजा पत्र निर्मल नि.प्रा.० का नाम खान्देश्वर करके के.आ. ब्रिजेश कुमार पुत्र लाल कन्द नि.प्रा.० का नाम कबीर बंनार देने हे। 6 स.र.का. 28-5-2007		
कुल गाटे :					1	कुल क्षेत्र :	0.6830	20.90	

checked + init
11/6/07

11/6/07

(11/6/07)

हस्ताक्षर 11/6/07